AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : मेगा जॉब फेयर के लिए पंजीकरण शुरू

रोजगार मेले में 100 से अधिक कंपनियां चपरासी से मैनेजर तक के पद के लिए करेंगी प्लेसमेंट

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के साथ मिलकर लखनऊ मंडल के युवाओं के लिए जल्द ही मेगा जॉब फेयर आयोजित करने जा रहा है। इसके लिए पंजीकरण शुरू हो गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी sewayojan.up.nic.in पर जाकर पंजीकरण करा सकते हैं।

मेगा जॉब फेयर में 100 से अधिक कंपनियां शिरकत करेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन की कोशिश है कि जॉब फेयर में चयनित होने वाले विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र एक समारोह आयोजित कर दिया जाए। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से समय मांगा गया है। विश्वविद्यालय की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. संजय मेधावी ने बताया कि जॉब फेयर में न सिर्फ लविवि बल्कि पूरे लखनऊ मंडल के विद्यार्थी पंजीकरण करा सकते हैं। इसमें किसी भी कोर्स व विधा के विद्यार्थी शामिल हो सकते हैं। कंपनियां चपरासी से लेकर मैनेजर व सीईओ तक के पद के लिए चयन करेंगी।

अगर कोई सिक्योरिटी मैन या डिलीवरी मैन बनना चाहता है तो उसे भी जॉब का अवसर मिलेगा। कंपनियां अपनी जरूरत के हिसाब से विद्यार्थियों को शार्ट लिस्ट कर इंटरव्यू के लिए बुलाएंगी। युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार जॉब मिलेगी। प्रो. मेधावी ने कहा कि नियुक्ति पत्र वितरण के लिए मुख्यमंत्री से समय मांगा गया है। उनकी सहमति मिलने के बाद जॉब फेयर की तिथि जारी की जाएगी। पंजीकरण कराने वाले विद्यार्थियों का इंटरव्यू किस दिन शेड्यूल है, इसकी जानकारी मोबाइल पर मेसेज से दी जाएगी।

मिशन रोज़गार

विश्वविद्यालय ही नहीं पूरे लखनऊ मंडल के छात्र हो सकते हैं शामिल

स्नातक के छूटे छात्रों को मिला परीक्षा देने का मौका

लखनऊ। कोरोना के कारण वर्ष 2020 की स्नातक वार्षिक मुख्य परीक्षा नहीं दे सके लविवि व सहयुक्त कॉलेजों के छात्र अप्रैल में प्रस्तावित परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। इन्हें परीक्षा फॉर्म व शुल्क नहीं जमा करना होगा। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना की सूचना के मुताबिक बीए, बीएससी, बीकॉम (दूसरे व तीसरे वर्ष) नियमित एवं भूतपूर्व छात्रों, ललित कला संकाय एवं वार्षिक पाठ्यक्रम आधारित अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विद्यार्थी ऑनलाइन परीक्षा फार्म 31 मार्च तक भर सकते हैं। भूतपूर्व छात्र परीक्षा शुल्क ऑनलाइन भरकर परीक्षा फॉर्म संबंधित संकायाध्यक्ष/ विभागाध्यक्ष कार्यालय में जमा करें। सहयुक्त कॉलेजों के सभी छात्र निर्धारित शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म अपने महाविद्यालय में जमा करें। कॉलेज इसकी जानकारी तीन अप्रैल तक विवि के परीक्षा विभाग को उपलब्ध कराएं।

क्रिस्टल इंजीनियरिंग के प्रभाव पर चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड विवि के प्रो. वेणुवंगला ने दवाओं की डिजाइन व विकास में क्रिस्टल इंजीनियरिंग की भूमिका बताई। अलेजांद्रो पी अयाला फेडरल यूनिवर्सिटी ऑफ सेरा, ब्राजील ने फार्मास्युटिकल सामग्रियों में बहुरूपता का महत्व बताया। वरमोंट विवि यूएसए के प्रो. माइकल टी रग्गेरियो ने टेराहट्र्ज स्पेक्ट्रोस्कोपी की जानकारी दी। ब्राजील के प्रो. जेवियर एलेना ने नई कार्यात्मक सामग्रियों के संश्लेषण, डिजाइन और विकास के लिए ठोस राज्य प्रौद्योगिकी विधियों के प्रयोग के बारे में जानकारी दी। दूसरे दिन युवा वैज्ञानिकों ने भी अपने शोध को साझा किया। प्रो. पूनम टंडन ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

खुश रहने से रोकते हैं मन के बंधन

लखनऊ। व्यास यूनिवर्सिटी बंगलुरू के डॉ. जुडू इलावरसु ने कहा कि मन के बंधन जैसे बाध्यकारी चिंतन व तेज गति से आने वाले विचार हमें खुश रहने से रोकते हैं। इसका समाधान योग अभ्यास, अपने गुणों की पहचान कर व कर्म योग से किया जा सकता है। वह लविवि के मनोविज्ञान विभाग एवं यूजीसी एचआरडीसी के संयुक्त तत्वाधान में सात दिवसीय फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। प्रो. आनंद प्रकाश विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग दिल्ली विवि ने कहा हैप्पीनेस के बहुआयामी कारक होते हैं। इनमें जैविक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक और पर्यावरण जैसे पहलू शामिल हैं। उन्होंने हैप्पीनेस पर शोध करने के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों विधियों का प्रयोग करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में प्रो. मधुरिमा प्रधान, प्रो. बीके शुक्ला ने कहा कि योग, प्राणायाम, प्रार्थना, ध्यान एवं सकारात्मक चिंतन से स्थायी आनंद को प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रो. ध्रुवसेन सिंह, डॉ. मानिनी श्रीवास्तव आदि शिक्षक मौजूद रहे।

रसायन विभाग की डॉक्यूमेंट्री लॉन्च

लखनऊ। लविवि के रसायन विज्ञान विभाग ने अपनी एक डॉक्यूमेंट्री बनाई है। इसके माध्यम से विभाग की सुविधाएं व उपलब्धि बताई जाएगी। डॉक्यूमेंट्री को सोमवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार को इसे लॉन्च किया। इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण सेठी के प्रयासों की प्रशंसा की।

HINDUSTAN PAGE 6

कुलपति ने डॉक्यूमेंट्री फिल्म लॉन्च की

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने रसायन विज्ञान विभाग की एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म लॉन्च की। यह डॉक्यूमेंट्री लगभग 13 मिनट लंबी थी, जो कि रसायन विभाग की अवसंरचनात्मक सुविधाओं और उपलब्धि की मुख्य विशेषताओं को बताती है। डॉक्यूमेंट्री के शुभारंभ के दौरान विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित थे। डॉक्यूमेंट्री के सफल लॉन्च के बाद प्रो राय ने रसायन विभाग के प्रमुख प्रो. अरुण सेठी के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास उनका विभाग के प्रति लगाव और समर्पण को दर्शाते हैं। इस तरह के प्रयास जारी रहने चाहिए।

NBT PAGE 6

एलयू: रसायन विभाग ने लॉन्च की डॉक्युमेंट्री

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ यूनिवर्सिटी के रसायन विज्ञान विभाग ने सोमवार को एक डॉक्युमेंट्री फिल्म लॉन्च की। यह डॉक्यूमेंट्री लगभग 13 मिनट लंबी थी, जो कि रसायन विभाग की अवसंरचनात्मक सुविधाओं और उपलब्धि की मुख्य विशेषताओं को बताती है। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने रसायन विभाग के प्रमुख प्रो. अरुण सेठी के प्रयासों की प्रशंसा की। इस दौरान डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, डीन अकैडमिक्स प्रो.राकेश चंद्र, डीन रिसर्च प्रो. मोनिशा बनर्जी और डीन रिक्रूटमेंट ऐंड असेसमेंट सेल प्रो. मनुका खन्ना मौजूद रहे।

स्नातक की परीक्षा छोड़ने वालों को एलयू ने दिया मौका

■ **एनबीटी, लखनऊः** साल 2020 में कोरोना महामारी के चलते लखनऊ यूनिवर्सिटी और सहयुक्त महाविद्यालय के जो विद्यार्थी स्नातक की परीक्षा नहीं दे पाए थे, उन्हें एलयू एक और मौका देने जा रहा है। एलयू और संबद्ध कॉलेज के बीए, बीएससी और बीकॉम (द्वितीय व तृतीय वर्ष) के नियमित और एग्जम्टेड विद्यार्थी 31 मार्च से परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भर सकेंगे। वहीं ललित कला संकाय और वार्षिक पाठ्यक्रम आधारित अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं भी फॉर्म भर सकेंगे।

विद्यार्थी 31 मार्च से ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे

एलयू परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि परीक्षा फॉर्म exam.luonline.in और www.lkouniv.ac.in पर मौजूद हैं। परीक्षा फॉर्म और परीक्षा का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। हालांकि, सहयुक्त महाविद्यालय के विद्यार्थियों को ऑनलाइन भरे गए परीक्षा फॉर्म और यूनिवर्सिटी की निर्धारित फीस कॉलेज में जमा करनी होगी।

बीएससी थर्ड इयर बैकपेपर के प्रैक्टिकल 22 को: विवि में बीएससी (भौतिकी) थर्ड सेमेस्टर के वैक पेपर, एग्जम्टेड और लेट ओवर वाले विद्यार्थी की प्रयोगात्मक परीक्षा 22 मार्च को होगी।

JAGRAN CITY PAGE III

31 तक भरें यूजी वार्षिक परीक्षाओं के फार्म

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक वार्षिक परीक्षाओं के लिए फार्म भरने का शेड्यूल सोमवार को जारी कर दिया। विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों की वार्षिक स्नातक कक्षाओं बीए, बीएससी, बीकाम (दूसरे, तीसरे वर्ष) के नियमित, भूतपूर्व, ललित कला संकाय एवं वार्षिक पाठ्यक्रम आधारित अन्य डिप्लोमा कोर्सों के छात्र-छात्राओं के आनलाइन परीक्षा फार्म 31 मार्च तक भरे जा सकेंगे। विद्यार्थियों को www.exam.luonline.in तथा www.lkouniv.ac.in के माध्यम से फार्म भर सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने निर्देश जारी कर दिए।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 की मुख्य परीक्षा में कोविड-19 के कारण जो छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए थे, उन छात्रों को भी मुख्य परीक्षा में शामिल किया जाएगा। ऐसे छात्रों को परीक्षा फार्म एवं शुल्क नहीं जमा करना है। भूतपूर्व छात्रों को आनलाइन परीक्षा फार्म शुल्क आनलाइन जमा कर परीक्षा फार्म संबंधित संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष कार्यालय में जमा करना होगा।

सहयुक्त महाविद्यालयों के सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं को आनलाइन भरे गए परीक्षा फार्म की कॉपी और परीक्षा शुल्क अपने महाविद्यालय में जमा करना होगा। परीक्षा नियंत्रक ने प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि आनलाइन परीक्षा फार्मों की सूची के साथ निर्धारित परीक्षा शुल्क जमा कर तीन अप्रैल तक लविवि के परीक्षा विभाग में अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें।

मेगा जॉब फेयर के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू : लखनऊ विश्वविद्यालय और क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के सहयोग से होने वाले मेगा जॉब फेयर के लिए आनलाइन पंजीकरण के लिए सोमवार को पोर्टल खोल दिया गया। जो छात्र-छात्राएं इस रोजगार मेले में प्रतिभाग करना चाहते हैं, वे सेवायोजन विभाग की वेबसाइट www.sewayojan.up.nic.in पर अपना रजिस्ट्रेशन जाब सीकर के तहत करवा लें। इसी आधार पर उन्हें प्रतिभाग करने का मौका दिया जाएगा। लविवि की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के निदेशक संजय मेधावी ने बताया कि रोजगार मेले में 100 कंपनियां विभिन्न पदों पर चयन के लिए आएंगी। रोजगार मेले की तिथि के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय पत्रावली भेजी गई है। जल्द ही वहां से तिथि तय हो जाएगी। उसी आधार पर विश्वविद्यालय भी अपनी तैयारी शुरू कर देगा। साक्षात्कार के अलावा कुछ कंपनियां लिखित परीक्षा भी ले सकती हैं।

बीएड : आज से लेट फीस के साथ होंगे आनलाइन आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएड (द्विवर्षीय) पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए बिना लेट फीस आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि सोमवार को खत्म हो गई। विवि ने एडवाइजरी कमेटी की बैठक में तिथि बढ़ाने पर विचार किया था, लेकिन कोई निर्णय नहीं हो पाया। अब लेट फीस के साथ 16 से 22 मार्च तक आवेदन का मौका रहेगा।

बीएड दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए आनलाइन आवेदन 18 फरवरी से शुरू हुए थे। 15 मार्च को दोपहर तक आनलाइन आवेदन की संख्या चार लाख पार हो चुकी है, जबकि पंजीकरण की संख्या इससे ज्यादा है। प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि तय शेड्यूल के अनुसार प्रक्रिया चलेगी। आगे जो भी निर्णय होगा, बताया जाएगा।

TOI PAGE 2

Mega job fair at LU open to all students

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Students of Lucknow University will get an opportunity to grab jobs in around 100 companies during the one-day mega job fair to be held this month. The university is organizing a job fair after almost a year. Last year, the placement drive could not be conducted due to Covid-19 pandemic.

The mega job fair is being organized with the support of Uttar Pradesh employment office. The fair is open not only for present final-year students and those who graduated last year but also for students from any academic institute of the city. All can try their luck at getting a job in sectors of banking, information, and technology, among others.

Student must register on sewayojan.up.nic.in.

Employment opportunities will be available even for those who are class XII passouts, graduates and postgraduates.

"The one-day mega job fair will begin early morning and continue till late with companies finding suitable candidates for their organization. The job fair is likely to be inaugurated by chief minister Yogi Adityanath," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

लखनऊ विश्वविद्यालय में बीए, बीएससी, बीकॉम के दूसरे और तीसरे वर्ष के भूतपूर्व और नियमित छात्र भर सकते हैं फार्म

स्नातक परीक्षाओं के लिए 31 मार्च तक भर सकते हैं परीक्षा फार्म

लखनऊ | निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक कक्षाओं बीए, बीएससी, बीकाम के दूसरे और तीसरे वर्ष के नियमित और भूतपूर्व परीक्षार्थी अपना परीक्षा फार्म ऑनलाइन 31 मार्च तक भर सकते हैं। इसी तिथि तक ललित कला संकाय एवं वार्षिक पाठ्यक्रम आधारित अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम के परीक्षार्थी भी परीक्षा फार्म भर सकेंगे।

परीक्षा फार्म exam.luonline. in और lkouniv. ac. in पर भरे जाएंगे।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. एके सक्सेना ने बताया कि वर्ष 2020 की मुख्य परीक्षा में कोविड-19 के कारण जो छात्र शामिल नहीं हो पाए थे, उनको भी मौका दिया जा रहा है। ऐसे छात्रों को परीक्षा फार्म एवं शुल्क नहीं जमा करना होगा। साथ ही भूतपूर्व (एक्जम्टेड) छात्रों को ऑनलाइन परीखा फार्म भरकर परीक्षा शुल्क जमा करना होगा। और परीक्षा फार्म

सम्बन्धित संकायाध्यक्ष या फिर विभागाध्यक्ष के कार्यालय में जमा करना होगा। सम्बद्ध कॉलेज के छात्रों को ऑनलाइन फार्म परीक्षा शुल्क के साथ कॉलेज में जमा करना होगा।

बीएड सेमेस्टर तृतीय वर्ष परीक्षा 24 को

बीएड सेमेस्टर तृतीय वर्ष की परीक्षा 24 मार्च को होगी। विभागाध्यक्ष तृप्ता त्रिवेदी ने सेमेस्टर में प्रैक्टिस इन टीचिंग के छात्रों से सबेरे 9.30 बजे तक पहुंचने का निर्देश दिया है।

22 को बीएससी तृतीय वर्ष की बैकपेपर परीक्षा

लखनऊ विश्वविद्यालय में 22 मार्च को बीएससी तृतीय वर्ष के भौतिक विषय की प्रैक्टिकल की बैकपेपर परीक्षा होगी। इसमें जो परीक्षा नहीं दे सके हैं वे भी बैठ सकते हैं।

दूसरा रोजगार मेला जल्द

सेवायोजन कार्यालय व सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से एलयू में जल्दी रोजगार मेला होगा। सेवायोजन की वेबसाइट पर आवेदकों से रजिस्ट्रेशन की अपील की है।

FIRST INDIA PAGE 8

हैप्पीनेस पर शोध के लिए दो विधियों का प्रयोग जरूरी : प्रो. आनंद प्रकाश

जासं, लखनऊ : हैप्पीनेस बहुआयामी निर्मिति है, जिसमें जैविक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक और पर्यावरण जैसे विभिन्न पहलू हैं। मात्रात्मक रूप से मापने से पहले शोधकर्ताओं को इसको परिभाषित करना होगा। हैप्पीनेस पर शोध करने के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों विधियों का प्रयोग करना चाहिए। यह सुझाव दिल्ली विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के हेड प्रो. आनंद प्रकाश ने दिए। वह लविवि के मनोविज्ञान विभाग एवं ह्यूमन रिर्सोस डेवलपमेंट सेंटर (एचआरडीसी) के संयुक्त तत्वाधान में शुरू हुए सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में आनलाइन शामिल हुए।

उद्घाटन एचआरडीसी पर डीन फैकल्टी आफ आर्ट्स प्रो. बीके शुक्ला ने किया। इस अवसर पर व्यास यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के एसोसिएट प्रोफेसर डा. जुडू इलावरसु ने कहा कि मन के बंधन जैसे बाध्यकारी चिंतन, तीव्र गति से आने वाले विचार हमें प्रसन्न रहने से रोकते हैं। इसका समाधान योग अभ्यास को जीवन का अंग बनाकर किया जा सकता है। प्रो. मधुरिमा प्रधान के मुताबिक पाश्चात्य मनोविज्ञानिक हैप्पीनेस की संरचना का अध्ययन कर बताते हैं कि जीवन में अधिक सकारात्मक भावों एवं कम नकारात्मक भावों की अनुभूति एवं जीवन में अधिकाधिक संतोष प्राप्त कर हैप्पीनेस को प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रो. ध्रुवसेन सिंह, डा. मानिनी श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

लविवि : डाक्यूमेंट्री लांच

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार को रसायन विज्ञान विभाग की एक डाक्यूमेंट्री फिल्म लांच की। 13 मिनट की इस डाक्यूमेंट्री में विभाग की सुविधाओं व उपलब्धि की विशेषताओं को बताया गया है। कुलपति ने विभाग के प्रमुख प्रो. अरुण सेठी के प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू)प्रो. पूनम टंडन, डीन रिसर्च प्रो. मोनिशा बनर्जी, डीन रिक्रूटमेंट एंड असेसमेंट सेल प्रो. मनुका खन्ना मौजूद रहीं।

विज्ञानियों ने साझा किए शोध

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में चल रहे दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन सोमवार को हो गया। दूसरे दिन आनलाइन मोड पर हुए कार्यक्रम में वरमोंट विश्वविद्यालय, यूएसए के प्रो. माइकल ने बताया कि टेराहट्र्ज स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग भविष्य की सामग्री के डिजाइन में क्रिस्टलीय ठोस पदार्थों की यांत्रिक प्रतिक्रिया का अध्ययन करने के लिए एक जांच के रूप में किया जा सकता है। ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रो. वेणुवंगला ने क्रिस्टल इंजीनियरिंग की भूमिका के बारे में बताया। (जासं)

THE PIONEER PAGE 4

LU VC LAUNCHES DOCUMENTARY FILM

Vice-Chancellor of Lucknow University Prof AK Rai on Monday launched a documentary film of the department of Chemistry. The 13-minute documentary inculcates the salient features of infrastructural facilities and accomplishments of the department of Chemistry. At the launch of the documentary, all the faculty members of the department were present. All praise for the efforts of head of the department Prof Arun Sethi, Prof Rai said such efforts reflect his dedication.

OUT OF THE CLOSET

More people using 112 to report domestic violence cases: ADG Arun

At IWS talk show under Mission Shakti, Mumbai lawyer Abha Singh talked about Domestic Violence Act provision

First India Bureau

Lucknow: The Institute of Women Studies (IWS), Lucknow University on Monday organised a web talk on 'Domestic violence: from flower to fire' under the aegis of Mission Shakti.

Speaker Asim Arun, Additional Director General of Police, 112 UP, said that earlier people used to consider domestic violence as a family issue and intervention of state to stop the violence was not easy. However, with the start of the 112, an increasing number of domestic violence cases are being registered mostly by elderly, women and children.

Arun appreciated the enthusiasm shown by women police officers in participating in PRV units which respond to distress calls.

Asim Arun

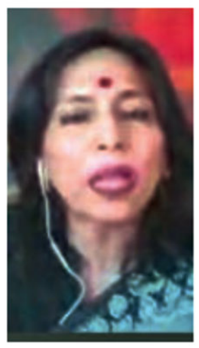

Abha Singh

Ruma Sinha

Through this initiative women are being made to aware about their rights. The ADGP also informed the audience about the steps they can take to ensure their safety and the app developed by 112 UP to avail help.

Abha Singh, a lawyer and social activist from Mumbai, briefed the audience about the provisions of Domestic Violence Act. She stressed the need to bring all the stakeholders on a common platform whether its police, media, social activists and society in general to work against the evil practice of violence against women

The third and the last speaker of the event was Ruma Sinha, a senior journalist, underscored the importance of med Dr. Sheela Mishra, Coordinator, Mission Shakti, Lucknow University, talked about the role of Mission Shakti in helping women. Dr. Archana Shukla, coordinator of the IWS, explained how domestic violence is becoming one of the biggest evil practices, hindering the well-being of women.